**भारती कॉलेज**

**वर्ष : 2021**

**पाठ्यक्रम विवरण : (जनवरी से अप्रैल 2021**

**पाठ्यक्रम :बी.ए. हिंदी विशेष**

**सत्र : द्वितीय (जनवरी से अप्रैल 2021**

**पेपर : हिंदी लोकनाट्य**

**शिक्षक : डॉ. राजीव रंजन निराला**

**पाठ्यक्रम :**

**इकाई-1** : लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और इतिहास; प्रमुख रूपों का परिचय एवं पाठद्ध लोकनाट्य रामलीला, रासलीला, सांग, ख्याल, माच,बिदेसिया एवं नौटंकी सुल्ताना डाकू

**इकाई-2** : बिदेसिया भिखारी ठाकुर

**इकाई-3** : सांग सत्यवान सावित्री - पंडित लखीमचन्द

**इकाई-4** : माच राजयोगी भरथरी - सिद्धेश्वर सेन

**पाठ्यक्रम विवरण**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को लोकनाट्य का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना और हिंदी लोकनाट्य के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचार को के विचारों को समझना।

पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित करना।

**शिक्षण समय : 14 सप्ताह (लगभग )**

**कक्षाएं : इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के 5 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की गई। विद्यार्थियों को विषय से संबंधित पुस्तकों की जानकारी प्रदान की गई साथ ही विषय से संबंधित विद्वानों द्वारा लिखित सामग्री भी दी गई।**

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय** |
| सप्ताह 1 | लोक नाट्य की अवधारणा |
| सप्ताह 2 | रामलीला, रासलीला |
| सप्ताह 3 | सांग ख्याल, माच, विदेसिया |
| सप्ताह 4 | सुल्ताना डाकू पर विस्तृत चर्चा |
| सप्ताह 5 | भिखारी ठाकुर एवं विदेसिया |
| सप्ताह 6 | **पूर्वांचल लोक साहित्य पर चर्चा** |
| सप्ताह 7 | भिखारी ठाकुर एवं विदेसिया |
| सप्ताह 8 | विदेसिया नाटक के मंचन पर विचार विमर्श |
| सप्ताह 9 | विदेसिया के वर्णित पलायन पर चर्चा |
| सप्ताह 10 | पुर्नावृति एवं सामूहिक चर्चा |
| सप्ताह 11 | सोग एवं लख्मीचंद पर व्यापक चर्चा |
| सप्ताह 12 | सत्यनान सावित्री की मूल सम्वेदना |
| सप्ताह 13 | विशेष व्याख्यान एवं विविध लोक साहित्य पर चर्चा |
| सप्ताह 14 | माच एवं राजयोगी भरथरी पर चर्चा |
| सप्ताह | पाठ्यक्रम से संबंधित विद्यार्थियों की समस्याओं का निपटारा |
| सप्ताह | आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन |

**सन्दर्भ -ग्रन्थ सूची:**

* वाचिका कविता :भोजपुरी -पंडित विद्यानिवास मिश्र
* महाकवि शंकरदेव : विचारक एवं समाजसुधारक -डॉ.कृष्ण नारायण प्रसाद 'मगध '
* भारत के लोकनाट्य -शिवकुमार 'मधुर '
* मध्यप्रदेश लोक-कला अकादमी की पत्रिका -चोमासा
* परम्पराशील नाट्य -जगदीशचंद्र माथुर
* भारतीय लोकरंगमंच -डॉ. पूर्णचन्द्र शर्मा
* नाटक और रंगमंच -डॉ.सीताराम झा 'श्याम '
* भोजपुरी भाषा , साहित्य एवं संस्कृति -विजय कुमार
* पूर्वांचल प्रंसंग -महावीर सिंह
* पांडवानी महाभारत की लोकनाट्य सैली -निरंजन महावर

**भारती कॉलेज**

**वर्ष : 2020**

**पाठ्यक्रम विवरण : (जनवरी-अप्रैल 2021**

**पाठ्यक्रम : बी.ए . हिंदी (ऑनर्स )**

**सत्र : द्वितीय (जनवरी-अप्रैल 2021**

**पेपर : भाषा और समाज**

**शिक्षक : डॉ . राजीव रंजन निराला**

**पाठ्यक्रम**

**इकाई-1 : भाषा, समाज और संस्कृति**

• भाषा और समाज का अंतर्संबंध

• भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार

• समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप

• भाषा का समाजशास्त्र

**इकाई-2 : भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय**

• भाषा और समुदाय

• भाषा और जाति

• भाषा और जातीयता

• द्विभाषिकता और बहुभाषिकता (पिजिन व क्रियोल)

**इकाई-3 : भाषा और सामाजिक व्यवहार**

• भाषा और वर्ग

• व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग

• भाषाई अस्मिता और जेण्डर

• भाषा और संस्कृति

**इकाई-4 : भाषा सर्वेक्षण**

• भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि

• भाषा नमूनों का सर्वेक्षण

• भाषा नमूनों का विश्लेषण

• भाषा के नवीन प्रयोग

**पाठ्यक्रम विवरण**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समाज भाषा विज्ञान का गहन परिचय देना है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के माध्यम से छात्र सामाजिक जीवन से भाषा के गहरे जुड़ाव को समझने में सक्षम होंगे। वे जाति, जेंडर तथा विभिन्न सामाजिक स्तर भेदों एवं भाषा में उनकी अभिव्यक्ति के प्रति सचेत होंगे एवं  भाषा सर्वेक्षण की पद्धतियों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

**शिक्षण समय : 14 सप्ताह (लगभग )**

**कक्षाएं : 5 लेक्चर 3 ट्यूटोरियल**

कक्षाएं पेपर के पाठ्यक्रम की रूपरेखा अनुसार सप्ताह के 5 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की जाएंगी । प्रतिदिन कक्षा व्याख्यान के आलावा ट्युटोरियल कक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रश्नों, शंकाओं का समाधान और निर्धारित विषयों पर विचार विमर्श किया जाएगा। असाइनमेंट ,टेस्ट और प्रस्तुतीकरण के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन होगा।

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय** |
| सप्ताह 1 | **इकाई 1 -** **भाषा, समाज और संस्कृति**  भाषा और समाज का अंतर्संबंध |
| सप्ताह 2 | भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार |
| सप्ताह 3 | समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप |
| सप्ताह 4 | भाषा का समाजशास्त्र,  (प्रथम असाइनमेंट) |
| सप्ताह 5 | **इकाई-2 : भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय**  भाषा और समुदाय |
| सप्ताह 6 | भाषा और जाति |
| सप्ताह 7 | भाषा और जातीयता |
| सप्ताह 8 | द्विभाषिकता और बहुभाषिकता (पिजिन व क्रियोल)  (द्वितीय असाइनमेंट) |
| सप्ताह 9 | **इकाई-3 : भाषा और सामाजिक व्यवहार**  भाषा और वर्ग |
| सप्ताह 10 | व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग |
| सप्ताह 11 | भाषाई अस्मिता और जेण्डर |
| सप्ताह 12 | भाषा और संस्कृति,  (क्लास टेस्ट) |
| सप्ताह 13 | **इकाई-4 : भाषा सर्वेक्षण**  भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि |
| सप्ताह 14 | भाषा नमूनों का सर्वेक्षण |
| सप्ताह | भाषा नमूनों का विश्लेषण |
| सप्ताह | भाषा के नवीन प्रयोग |

सम्बंधित पुस्तकें :

* भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
* हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह
* भाषा का संसार – दिलीप सिंह
* आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय
* Socio Linguistics : An Introduction to Language and Society - Peter Trudgill
* Socio Linguistics - R.A. Hudson
* An Introduction to Socio Linguistics - Ronald Wordhaugh
* The Shadow of Language - George Yule

**भारती कॉलेज**

**वर्ष :** 2020

**पाठ्यक्रम विवरण : (जनवरी – अप्रैल 2020**

**पाठ्यक्रम : बी.**ए. प्रोग्राम

**सत्र : द्वितीय (जनवरी – अप्रैल 2018-2020**

**पेपर** : हिंदी भाषा और साहित्य हिंदी ‘बी '

**शिक्षक : डॉ. राजीव रंजन निराला**

**पाठ्यक्रम :**

**इकाई-1 : हिंदी भाषा और साहित्य**

(की) आधुनिक भारतीय भाषाओ का सामान्य परिचय

(ख) हिंदी का उद्भव : सामान्य परिचय

(ग) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल )

(घ) हिंदी साहित्य का इतिहास ( आधुनिक काल )

**इकाई-2 : भक्तिकालीन हिंदी कविता**

(क ) कबीर : पोथी पढि-पढि जंग मुआ

कस्तूरी कुंडलि बसै

‌ यह तन विष की बेलरी,

गुरु अमृत की खान

सात समुंदर की मसि करूं

साधु ऐसा चाहिए…

सतगुरु हमसूं रीझकर

(ख) गोस्वामी तुलसीदास : 'रामचरितमानस' से केवट प्रसंग

**इकाई-3 : रीतिकालीन हिंदी कविता**

(क) बिहारी : बतरस लालच लाल की …

या अनुरागी चित्त की …

‌ सटपटति - सी ससिमुखी…

(ख) मीरा बाई की पदावली – पद संख्या 1,4, 5

**इकाई 4 : आधुनिक हिंदी कविता**

4.1 सुभद्रा कुमारी चौहान – बालिका का परिचय

4.2 निराला –तोडती पत्थर

**पाठ्यक्रम विवरण**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को हिंदी भाषा और साहित्य का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना और हिंदी कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित करना।

**शिक्षण समय : 14 सप्ताह (लगभग )**

**कक्षाएं : इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के 5 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। विद्यार्थियों को विषय से संबंधित पुस्तकों की जानकारी प्रदान की जाएगी।**

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय** |
| सप्ताह 1 | आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय |
| सप्ताह 2 | हिंदी का उद्भव: सामान्य परिचय |
| सप्ताह 3 | हिंदी साहित्य का इतिहास -आदिकाल, मध्यकाल : संक्षिप्त परिचय |
| सप्ताह 4 | हिंदी साहित्य का इतिहास- आधुनिक काल : संक्षिप्त परिचय |
| सप्ताह 5 | कबीर के पद |
| सप्ताह 6 | गोस्वामी तुलसीदास : केवट प्रसंग |
| सप्ताह 7 | पुनरावृति एवं सामूहिक चर्चा, प्रथम असाइनमेंट |
| सप्ताह 8 | रीतिकालीन हिंदी कविता - बिहारी के दोहे |
| सप्ताह 9 | ) मीरा बाई की पदावली - |
| सप्ताह 10 | आधुनिक हिंदी कविता |
| सप्ताह 11 | सुभद्रा कुमारी चौहान – बालिका का परिचय |
| सप्ताह 12 | निराला –तोडती पत्थर |
| सप्ताह 13 | सामूहिक चर्चा एवं लिखित परीक्षा |
| सप्ताह 14 | द्वितीय असाइनमेंट |
| सप्ताह | पाठ्यक्रम से संबंधित विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान |
| सप्ताह | आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन |

सम्बंधित पुस्तकें :

* हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
* हिंदी साहित्य की भूमिका हजारीप्रसाद द्विवेदी
* हिंदी साहित्य का अतीत विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
* हिंदी साहित्य का इतिहास संपा. डॉ. नगेंद्र
* हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास μ रामस्वरूप चतुर्वेदी
* हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास हजारीप्रसाद द्विवेदी
* हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास खण्डद्ध नागरी प्रचारिणी सभा
* हिंदी का गद्य साहित्य रामचंद्र तिवारी
* हिंदी निबंध के आधार-स्तंभ हरिमोहन
* प्रगतिवाद शिवकुमार मिश्र
* छठवाँ दशक विजयदेव नारायण साही
* हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास राजेंद्र गौतम
* हिंदी गशल की विकास-यात्रा ज्ञानप्रकाश विवेक
* समकालीन हिंदी कविता विश्वनाथ प्रसाद तिवारी